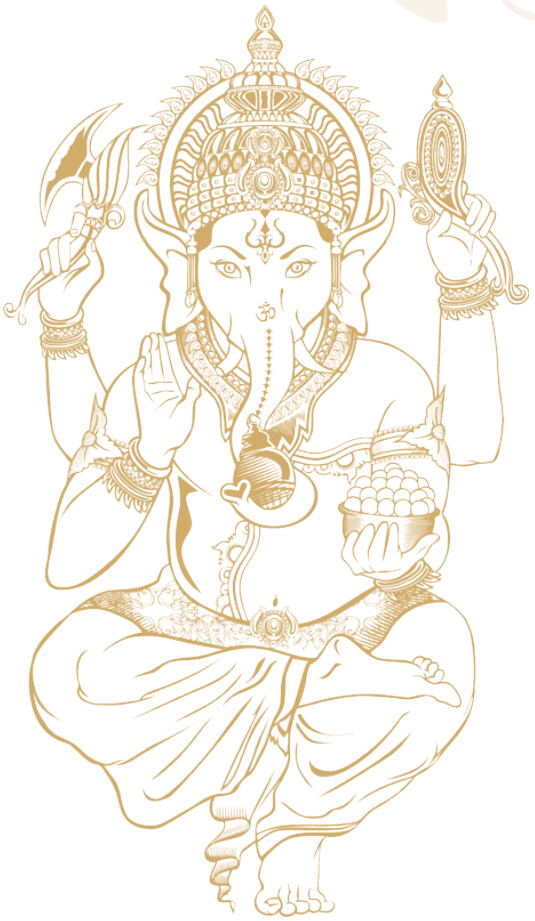

Purojit Partibha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121740905

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
24-25/01/1992 :	जन्म तिथि	: 30/01/1992
शुक्र-शनिवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 01:35:00 :	जन्म समय	: 22:25:00 घंटे
घटी 46:03:47 :	जन्म समय(घटी)	: 38:14:25 घटी
India :	देश	: India
Mathura :	स्थान	: Etah
27:30:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:33:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:39:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12 :	स्थानिक संस्कार	: -00:15:24 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:09:29 :	सूर्योदय	: 07:03:31
17:53:48 :	सूर्यास्त	: 17:53:55
23:45:05 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:45:06

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 3वर्ष 11मा 5दि		22:08:40	तुला	लग्न	कन्या	16:32:27	केतु 5वर्ष 10मा 6दि	
गुरु		10:20:24	मक	सूर्य	मक	16:18:14	चन्द्र	
30/12/2020		18:05:31	कन्या	चंद्र	धनु	02:11:16	07/12/2023	
30/12/2036		17:46:09	धनु	मंगल	धनु	22:11:29	07/12/2033	
गुरु	17/02/2023	28:13:19	धनु	बुध	मक	07:34:39	चन्द्र	07/10/2024
शनि	30/08/2025	19:53:16	सिंह व	गुरु व	सिंह	19:23:18	मंगल	08/05/2025
बुध	06/12/2027	05:40:46	धनु	शुक्र	धनु	12:52:36	राहु	06/11/2026
केतु	11/11/2028	14:52:44	मक	शनि	मक	15:34:50	गुरु	07/03/2028
शुक्र	13/07/2031	15:51:03	धनु व	राहु	धनु	15:54:53	शनि	07/10/2029
सूर्य	30/04/2032	15:51:03	मिथु व	केतु	मिथु	15:54:53	बुध	08/03/2031
चन्द्र	30/08/2033	21:20:13	धनु	हर्ष	धनु	21:40:05	केतु	07/10/2031
मंगल	06/08/2034	23:21:41	धनु	नेप	धनु	23:34:23	शुक्र	07/06/2033
राहु	30/12/2036	28:55:10	तुला	प्लूटो	तुला	29:00:59	सूर्य	07/12/2033

लग्न-चलित

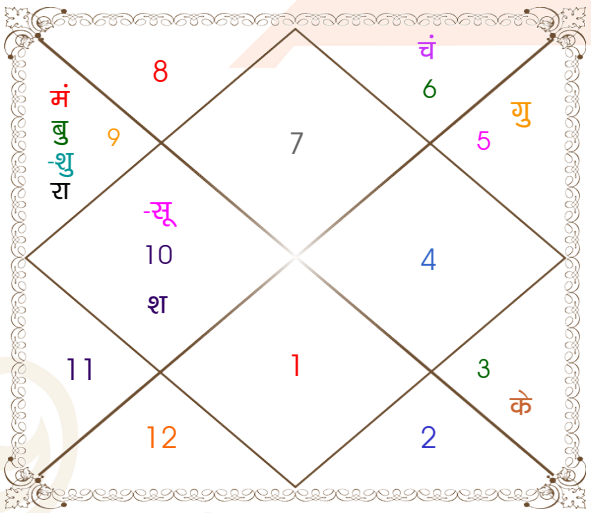

लग्न-चलित

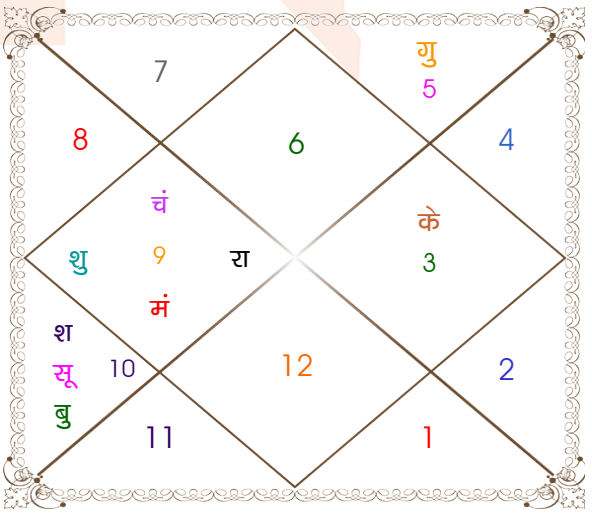

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

Purojit का वर्ग श्वान है तथा Partibha का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Purojit और Partibha का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Purojit मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Partibha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Partibha कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Purojit कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Purojit कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Purojit तथा Partibha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।